

खाटू वाले की गुलाम हो गई

जब से सांवरिया से पहचान हो गई,
जिंदगी तब से खाटू वाले की गुलाम हो गई,

मेरे घर में कमी नहीं िब किसी बात की,
जब से मने चौकठ चूमी है श्याम की,
तब से उस की रेहमत की बरसात हो गई,
जिंदगी तब से खाटू वाले की गुलाम हो गई,

जब से रंग चढ़ा है खाटू धाम का,
कहने लगे दीवाना है ये तो श्याम का,
जब से निगाहें उस की मेहरबान हो गई,
जिंदगी तब से खाटू वाले की गुलाम हो गई,

<https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/15330/title/khatu-vale-ki-gulaam-ho-gai>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |